अमर उजाला, दिल्ली
14/05/09

हड़ताल से एमटीएनएल की सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली। छठे वेतन कमेटी की सिफारिशों को लागू न किए जाने के विरोध में महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के कर्मचारियों ने टूल डाउन-पैन डाउन कर अपना विरोध दर्ज कराया। कर्मचारी यूनियन ने एमटीएनएल द्वारा उनकी मांगों को पूर्ण न किए जाने के विरोध में हड़ताल का आह्वान किया था। कर्मचारियों ने ड्यूटी पर रहते हुए हड़ताल रखी। हड़ताल के चलते एमटीएनएल की लैंड लाइन, ट्रम्प व डॉलफिन उपभोक्ताओं की सेवाएं प्रभावित रहीं। एमटीएनएल ज्वाइंट फोरम के महासचिव वी के तोमर ने बताया कि हड़ताल का आह्वान दिल्ली व मुंबई के कर्मचारियों से किया गया था। यूनियन ने दावा किया है कि उनकी हड़ताल सफल रही है।

नवभारत टाइम्स
मुम्बई, 14/05/09

एमटीएनएल के अधिकारी रहे हड़ताल पर

मुम्बई (न. प्र.) एमटीएनएल आफिसर एसोसिएशन ने बुधवार को एक दिन का हड़ताल रखा, 5,000 छोटे-बड़े अधिकारियों ने हिस्सा लिया। एमटीएनएल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया गया है कि इससे मोबाइल, लैंडलाइन, सर्विसेज प्रभावित रहीं।

इन लोगों ने इन्होंने एक दिन के हड़ताल आवाहन एमटीएनएल बोर्ड के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए किया। इनका कहना था कि बोर्ड भारत सरकार के सार्वजनिक उद्योग द्वारा प्रस्तावित वेतन में 30 प्रतिशत का फिटमेंट बेनिफिट नहीं दे रही है। इसके अलावा 1 से 3 जून तक ये अधिकारी सामूहिक छुट्टी पर जाने वाले हैं।

महामेधा, 14/05/2009
दिल्ली

एमटीएनएल के पैन डाउन, टूल डाउन से चरमराईं संचार सेवाएं

मुख्य संवाददाता/नई दिल्ली

छठे वेतन आयोग की सिफारिशों को महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) द्वारा में लागू नहीं करने से खफा करीब आठ हजार कर्मचारियों के बुधवार को पैन डाउन, टूल डाउन के चलते दिल्ली और मुंबई की संचार व्यवस्था चरमरा गई।

पैन डाउन, टूल डाउन के चलते लोगों को काफी संचार संबंधी समस्याओं का काफी सामना करना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक बीएसएनएल ने अपने कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत 30 फीसदी वेतन का भुगतान कर दिया है। लेकिन एमटीएनएल कर्मचारियों को 30 की बजाय सिर्फ 5 फीसदी ही फिक्समेन दिया जा रहा है जिससे कर्मचारियों और अफसरों में काफी रोष है। एमटीएनएल प्रशासन के इस रवैये से खफा आठ हजार कर्मचारी और अफसर पैन डाउन और टूल डाउन करने से पहले धरना, प्रदर्शन करने के अलावा रैली आदि भी निकाल चुके हैं। लेकिन प्रशासन

> छठे वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की कर रहे हैं लंबे समय से मांग

कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू कर पूरा वेतन भुगतान करने को तैयार नहीं हुआ। इसके चलते बुधवार को दिल्ली और मुंबई की संचार व्यवस्था पूरी तरह से गड़बड़ा गई। एमटीएनएल ज्वाइंट फोरम के महासचिव वी. के. तोमर ने बताया कि प्रशासन कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है।

एक तरफ तो सरकारी कंपनी बीएसएनएल में कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक वेतन का भुगतान किया जा चुका है। वहीं दूसरी तरफ एमटीएनएल में इन सिफारिशों को लागू नहीं किया जा रहा है जिसके कारण कर्मचारियों और अफसरों में नाराजगी व्याप्त है। इसके कारण कर्मचारी काफी लंबे समय से धरना-प्रदर्शन और रैली करते आ रहे हैं। लेकिन उनकी मांगों की तरफ कोई गंभीरता से विचार नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते बुधवार को कर्मचारियों ने पैन डाउन, टूल डाउन कर अपनी सेवाओं को पूरी तरह से ठप रखा।